भारत सरकार

रेल मंत्रालय

लोक सभा

04.02.2026 के

अतारांकित प्रश्न सं. 873 का उत्तर

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र एवं मध्य प्रदेश में रेलवे स्टेशनों का पुनर्विकास

873. श्रीमती भारती पारधी:
डॉ. श्रीकांत एकनाथ शिंदे:
श्री रविन्द्र दत्ताराम वायकर:
श्री श्रीरंग आप्पा चंदू बारणे:
श्री नरेश गणपत म्हस्के:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) जनवरी, 2026 तक अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश में स्टेशनों तथा महाराष्ट्र के छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस (सीएसएमटी) के पुनर्विकास की भौतिक प्रगति क्या है;

(ख) यूनेस्को विश्व धरोहर दर्जे वाली इमारतों के संरक्षण को सुनिश्चित करते हुए आधुनिक हवाई अड्डा-स्तरीय सुविधाओं के एकीकरण हेतु सरकार द्वारा कौन-कौन से विशिष्ट उपाय किए गए हैं/किए जा रहे हैं;

(ग) अमृत भारत स्टेशन योजना के चरण-2 के अंतर्गत बालाघाट लोक सभा निर्वाचन क्षेत्र के स्टेशनों तथा मुंबई महानगर क्षेत्र के पहचान की गई उपनगरीय स्टेशनों की सूची क्या है तथा इसके लिए प्रस्तावित बजटीय परिव्यय कितना है;

(घ) दादर, रायगढ़ एवं पुणे, ठाणे तथा कल्याण जैसे प्रमुख उपनगरीय केंद्रों में एस्केलेटर, लिफ्ट तथा एक्जीक्यूटिव लाउंज जैसी यात्री सुविधा उन्नयन के संबंध में प्रस्तावित योजनाओं का विवरण क्या है; और

(ङ) सीएसएमटी पुनर्विकास परियोजना के पूर्ण होने की समय-सीमा क्या है तथा इसके पूर्ण होने के पश्चात् प्रतिदिन यात्री वहन क्षमता में अपेक्षित वृद्धि कितनी है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री
(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (ङ): महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में स्थित विभिन्न रेलवे स्टेशनों के पुनर्विकास की प्रगति निम्नानुसार है:

<u>महाराष्ट्र:</u>

महाराष्ट्र में अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति गति से शुरू किए गए हैं। अब तक इस योजना के तहत महाराष्ट्र में 05 उपनगरीय स्टेशनों सहित 17 स्टेशनों (आमगांव, चंदा फोर्ट, चिंचपोकली, देवलाली, धुले, केडगांव, लासलगांव, लोनंद जंक्शन, माटुंगा, मुर्तिजापुर जंक्शन, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी जंक्शन, परेल, सावदा, शहद, वडाला रोड, बारामती और नंदुरा) का कार्य पूरा हो चुका है। अमृत भारत स्टेशन योजना में पहचाने गए महाराष्ट्र के कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नानुसार है:

छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस: स्टेशन पुनर्विकास कार्य को स्वीकृति दे दी गई है। मंडल इंजीनियरिंग प्रशिक्षण केंद्र को वाडी बंदर में स्थानांतरित करने, प्लेटफॉर्म सं. 18 और 12/13 पर पैदल पार पुल सं. 6 की नींव रखने और मेन लाइन भवन के भू-तल और पहली मंजिल के नवीकरण का कार्य पूरा कर लिया गया है। लंबी दूरी के नोड भवन, लंबी दूरी के कॉनकोर्स और पैदल पार पुल सं. 1 और 2 के लिए नींव रखने का कार्य शुरू कर दिया गया है।

दिवा: स्टेशन के पूर्व की ओर परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार, पूर्व दिशा की ओर स्टेशन भवन में सुधार, नया प्रवेश द्वार, कल्याण और मुंबई छोर पर पैदल पार पुल में सुधार, पैदल पार पुल के लिए नई सीढ़ी का निर्माण, प्लेटफॉर्म नंबर 7/8 का शेल्टर, प्लेटफॉर्म नंबर 5/6 और 7/8 के प्लेटफॉर्म की ऊंचाई बढ़ाने और फर्श में सुधार, नया शौचालय ब्लॉक, पश्चिम की ओर मलजल उपचार संयंत्र और नई सर्विस बिल्डिंग का कार्य पूरा हो चुका है। पैदल पार पुल के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

मुंब्रा: प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, बैठने की व्यवस्था में सुधार, पैदल पार पुल के फर्श में सुधार, नया शौचालय ब्लॉक, मलजल उपचार संयंत्र, परिचलन क्षेत्र में सुधार और टिकट बुकिंग कार्यालय में सुधार का कार्य पूरा कर लिया गया है। स्वचालित सीढ़ी का कार्य शुरू कर दिया गया है।

टिटवाला: पूर्व और पश्चिम दिशा में दोपहिया वाहनों की पार्किंग और पहुंच मार्ग में सुधार, नया स्टेशन भवन, नया प्रवेश द्वार, टिकट बुकिंग कार्यालय में सुधार, नया शौचालय ब्लॉक, मलजल उपचार संयंत्र और प्लेटफॉर्म की सतह का कार्य पूरा कर लिया गया है। नए पैदल पार पुल का कार्य शुरू किया गया है।

विक्रोली: स्टेशन पर प्लेटफॉर्म सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर में सुधार, पैदल पार पुल में सुधार, मुंबई छोर पर नया शौचालय ब्लॉक, कल्याण छोर पर शौचालय ब्लॉक में सुधार और पश्चिम दिशा में स्टेशन भवन में सुधार के कार्य पूरे कर लिए गए हैं। पश्चिम और पूर्व दिशा में परिचलन क्षेत्र के विकास और पूर्व दिशा में नए बुकिंग कार्यालय और पार्किंग का कार्य शुरू किया गया है।

चर्नी रोड: प्रवेश-निकास द्वार चौड़ा करने का कार्य, प्लेटफॉर्म सं. 1 पर नए बुकिंग कार्यालय का निर्माण, फुटपाथ के फर्श की सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म सं. 4 पर बाड़

लगाने और चाहरदीवारी का कार्य, प्लेटफॉर्म 1, 2 और 3 पर मौजूदा प्लेटफॉर्म शेल्टर में सुधार और प्रवेश द्वार की उत्तर दिशा में बाड़ लगाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। प्लेटफॉर्म सं. 4 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर शीट को बदलने और प्लेटफॉर्म सं. 1 पर सतह निर्माण का कार्य शुरू कर दिए गए हैं।

मालाड: प्लेटफॉर्म 1, 2, 3, 4 और 5 के उन्नयन और मौजूदा प्लेटफॉर्म शेल्टर के सुधार के कार्य पूर्ण हो गए हैं। टिकट कार्यालय और शौचालयों के सुधार के कार्य शुरू किए गए हैं।

कल्याण: स्टेशन पर कल्याण (पूर्व) में नई 'ए' भवन, प्लेटफॉर्म सं. 4 और 5 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, एक लिफ्ट और दो स्वचालित सीढ़ियां, परिचलन क्षेत्र में सुधार और जल आपूर्ति बढ़ाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। प्लेटफॉर्म 2 और 3 के विस्तार का कार्य, लोकग्राम पैदल पार पुल का निर्माण शुरू किया गया है। 04 अदद स्वचालित सीढ़ियों का प्रावधान, दिव्यांगजन के लिए अतिरिक्त अभिगम्यता सुविधाओं की व्यवस्था और मलजल उपचार संयंत्र की संस्थापना के कार्यों को स्वीकृत किया गया है।

दादर: प्लेटफॉर्म सं. 8 और 10 को ऊंचा करना, प्लेटफॉर्म सं. 8, 10 और 11 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर, लिफ्ट और स्वचालित सीढ़ियों का प्रावधान, शौचालय ब्लॉक बनाने और जल आपूर्ति में सुधार संबंधी कार्य पूरे कर लिए गए हैं। प्लेटफॉर्म 8 से प्लेटफॉर्म 9 को जोड़ने वाले पैदल पार पुल और अतिरिक्त प्लेटफार्म शेल्टर के लिए कार्यों को स्वीकृति दी गई है।

ठाणे: प्लेटफॉर्म सं. 2 को ऊंचा करने, दो पैदल पार पुलों के पुनर्स्थापन, प्लेटफॉर्म 5 और 6 को चौड़ा करने, नए प्रतीक्षालय, शौचालय ब्लॉक का निर्माण, नए पार्किंग स्थल का प्रावधान, प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान और 2 स्वचालित सीढ़ियों की व्यवस्था संबंधी कार्य पूरा कर लिए गए हैं। एक पैदल पार पुल, अतिरिक्त 02 स्वचालित सीढ़ियों और अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टरों के कार्यों को स्वीकृति दे दी गई है।

पुणे: प्लेटफार्म नंबर 6 और प्लेटफार्म 2 और 3 पर प्लेटफार्म सतह के सुधार कार्य, 02 दिव्यांगजन शौचालयों की सुविधा, पार्सल कार्यालय में सुधार, अतिरिक्त प्लेटफार्म शेल्टर की सुविधा कार्य पूरे हो चुके हैं। 04 अदद लिफ्टों की सुविधा, मुख्य और द्वितीय प्रवेश की ओर स्टेशन परिचलन क्षेत्र में सुधार और प्लेटफार्मों का विस्तार करने के कार्य शुरू किए गए हैं।

<u>मध्य प्रदेश</u>

अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मध्य प्रदेश में रेलवे स्टेशनों पर विकास कार्य तेज गति से आगे बढ़ रहे हैं। अब तक इस योजना के तहत मध्य प्रदेश के 14 स्टेशनों (ब्योहारी, भिन्ड, हरपालपुर, जुन्नार देव, कटनी साउथ, महाराजा छत्रसाल स्टेशन छतरपुर, नैनेपुर जंक्शन, नरमदापुरम, ओरछा, साँची, सिवनी, शाजापुर, श्रीधाम और विदिशा) के कार्य पूरे हो चुके हैं। इसमें सिवनी स्टेशन भी शामिल है, जो बालाघाट लोक सभा क्षेत्र में स्थित है। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत मध्य प्रदेश में लिए गए कुछ स्टेशनों की प्रगति निम्नलिखित है:

बालाघाट लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में बालाघाट स्टेशन पर स्टेशन भवन के सुधार, परिचलन क्षेत्र के सुधार, 1 उच्च मस्तूल प्रकाश व्यवस्था के प्रावधान के साथ पार्किंग,

प्रतीक्षालय के नवीनीकरण, प्लेटफॉर्म सतह के सुधार, मानक संकेतन के प्रावधान, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर, शौचालय ब्लॉक, सीसीटीवी और डिब्बों और गाड़ी के संकेतक बोर्ड की स्थापना का कार्य पूरा कर लिया गया है और अंतिम कार्य शुरू कर दिया गया है।

रीवा: स्टेशन भवन, प्रवेश और निकास द्वार, नालियों के सुधार, नए शौचालय ब्लॉकों के निर्माण और प्रतीक्षालय के सुधार के लिए कार्य पूरा हो गया है। पार्किंग स्थल के प्रावधान के साथ परिचलन क्षेत्र में सुधार, 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल का प्रावधान और प्लेटफॉर्म नंबर 1 की सतह को ऊंचा उठाने और सतह को समतल करने का कार्य किया गया है।

रुठियाई: स्टेशन भवन के सुधार, पार्किंग स्थल के प्रावधान के साथ परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्लेटफॉर्म 1 और 2 पर प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, नए शौचालय ब्लॉक का निर्माण, प्रतीक्षालय में सुधार, अतिरिक्त प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान और दिव्यांगजन सुविधाओं में सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। 12 मीटर चौड़े पैदल पार पुल के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

रतलाम: प्लेटफॉर्म 4 के चौड़ा करने, प्लेटफॉर्म 4 पर प्लेटफॉर्म शेल्टर का प्रावधान, प्रतीक्षालय, शौचालयों का सुधार, पहुंच मार्ग के साथ दूसरे प्रवेश द्वार का विकास, परिचलन क्षेत्र और पार्किंग में सुधार का कार्य पूरा हो चुका है। पैदल पार पुल के निर्माण का कार्य शुरू कर दिया गया है।

देवास: परिचलन क्षेत्र में सुधार, प्लेटफॉर्म को चौड़ा करना, प्लेटफॉर्म की सतह में सुधार, प्लेटफॉर्म शेल्टर, प्रतीक्षालय में सुधार, शौचालय और नए शौचालय ब्लॉक का प्रावधान पूरा हो गया है। पैदल पार पुल, लिफ्ट, स्वाचिलित सीढ़ीयां और संकेतक के प्रावधान के लिए कार्य शुरू कर दिया गया है।

रेल मंत्रालय द्वारा अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ सतत आधार पर स्टेशनों के पुनर्विकास की परिकल्पना की गई है। इस योजना में स्टेशनों को बेहतर बनाने के लिए मास्टर प्लान तैयार करना और उन्हें चरणबद्ध रूप से लागू करना शामिल है। प्रत्येक स्टेशन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए मास्टर प्लानिंग में शामिल हैं:-

- स्टेशन और परिचलन क्षेत्रों तक पहुंच में सुधार
- शहर के दोनों छोर के साथ स्टेशन का एकीकरण
- स्टेशन भवन का सुधार
- प्रतीक्षालय, शौचालय, बैठने की व्यवस्था, वाटर बूथ में सुधार
- यात्री यातायात के अनुरूप व्यापक पैदल पार पुल/एयर कॉनकोर्स का प्रावधान
- लिफ्ट/स्वचालित सीढ़ी/रैम्प की सुविधा
- प्लेटफार्म की सतह और प्लेटफार्मों पर कवर का सुधार/प्रावधान
- एक स्टेशन वन उत्पाद' जैसी योजनाओं के माध्यम से स्थानीय उत्पादों के लिए कियोस्क का प्रावधान
- पार्किंग क्षेत्र, मल्टीमोडाल एकीकरण
- दिव्यांगजन के लिए सुविधाएँ
- बेहतर यात्री सूचना प्रणाली
- कार्यकारी लॉउन्ज, व्यावसायिक बैठकों के लिए विशिष्ट स्थान, लैंडस्केपिंग आदि की सुविधा।

इस योजना में आवश्यकता, चरणबद्धता और यथा व्यवहार्य, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल समाधान, गिट्टी रहित रेलपथ आदि का प्रावधान, और दीर्घकाल में स्टेशन पर सिटी सेंटर के निर्माण की भी परिकल्पना की गई है।

अब तक, अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत 1337 स्टेशनों को चिह्नित किया गया है। इनमें से, 80 स्टेशन मध्य प्रदेश और 132 स्टेशन महाराष्ट्र में स्थित हैं। अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र राज्य में पुनर्विकास के लिए चिह्नित स्टेशनों के नाम निम्नानुसार हैं:

राज्य	अमृत स्टेशनों की संख्या	स्टेशनों केनाम
मध्य प्रदेश	80	अकोदिया, अमला, अनूपपुर, अशोकनगर, बालाघाट, बानापुरा, बरगवां, ब्योहारी, बेरछा, बेतूल, भिंड, भोपाल, बिजुरी, बीना, बियावरा राजगढ़, छिंदवाड़ा, डबरा, दामोह, दतिया, देवास, गाडरवारा, गंजबासौदा, घोड़ाडोंगरी, गुना, ग्वालियर, हरदा, हरपालपुर, इंदौर जं, इटारसी जंक्शन, जबलपुर, जुन्नारदेव, करेली, कटनी जंक्शन, कटनी मुरवारा, कटनी साउथ, खाचरोड, खजुराहो जं, खंडवा, खिरकिया, लक्ष्मीबाई नगर, मैहर, मक्सीजं, मंडलाफोर्ट, मंदसौर, एमसीएस छतरपुर, मेघनगर, मुरैना, मुलताई, नागदाजं, नैनपुरजं, नर्मदापुरम (होशंगाबाद), नरसिंहपुर, नीमच, नेपानगर, ओरछा, पांढुर्ना, पिपरिया, रतलाम, रीवा, रूठियाई, सांची, संत हिरदाराम नगर, सतना,

		सागर, सीहोर, सिवनी, शहडोल, शाजापुर, शामगढ़, श्योपुर कलां, शिवपुरी, श्रीधाम, शुजालपुर, सिहोरा रोड, सिंगरौली, टीकमगढ़, उज्जैन, उमरिया, विदिशा, विक्रमगढ़आलोट
महाराष्ट्र	132	अहमदनगर, अजनी (नागपुर), अक्कलकोट रोड़, अकोला, आकुर्डी, अमलनेर, आमगाँव, अमरावती, अंधेरी, बडनेरा, बल्हारशाह, बांद्रा टर्मिनस, बारामती, बेलापुर, भंडारा रोड, भोकर, भुसावल, बोरीवली, भायखला, चालीसगाँव, चांदा फोर्ट, चंद्रपुर, चर्नी रोड, छत्रपति शिवाजी महाराज टर्मिनस, चिंचपोकली, चिंचवाड, दादर (मध्य रेल), दादर (पश्चिम रेल), दहिसर, दौंड, देहु रोड, देवलाली, धामणगांव, धरणगांव, धाराशिव, धर्माबाद, धुले, दिवा, दुधनी, गंगाखेर, गोधानी, गोंदिया, ग्रांट रोड, हडपसर, हातकणंगले, हजूर साहिब नान्देड, हिमायत नगर, हिंगनघाट, हिंगोली दक्कन, इगतपुरी, जलगाँव, जालना, जेऊर, जोगेश्वरी, कल्याण जंक्शन, कामटी, कांदिवली, कंजुर मार्ग, कराड, काटोल, केडगाँव, किनवट, कोपरगाँव, कुर्डुवाडी जंक्शन, कुर्ला जंक्शन, लासलगाँव, लातूर, लोकमान्य तिलक टर्मिनस, लोनंद जंक्शन, लोनावाला, लोअर परेल, मलाड, मलकापुर, मनमाड, मानवत रोड, मरीन लाइन्स, माटुंगा, मिराज जंक्शन, मुदखेड़ जंक्शन, मुंबई सेंट्रल, मुंब्रा, मुर्तिजापुर, नागरसोल, नागपुर, नंदगाँव, नांदुरा, नंदुरबार, नरखेड़ जंक्शन, नासिक रोड, नेताजी सुभाष चंद्र बोस इतवारी

		जंक्शन, पाचोरा जंक्शन, पालघर, पंढरपुर, पनवेल जंक्शन, परभणी जंक्शन, परेल, परलीवैजनाथ, परतूर, फलटाण, प्रभादेवी, पुलगाँव जंक्शन, पुणे जंक्शन, पूर्णा जंक्शन, रावेर, रोटेगांव, साईंनगर शिर्डी, सैंडहर्स्ट रोड, सांगली, सतारा, सावदा, सेलू, सेवाग्राम, शहाड, शेगांव, शिवाजी नगर पुणे, श्री छत्रपति शाहू महाराज टर्मिनस कोल्हापुर, सोलापुर, तलेगांव, ठाकुर्ली, ठाणे, टिटवाला, तुमसर रोड, उमरी, उरुली, वडाला रोड, विद्याविहार, विक्रोली, वडसा, वर्धा, वाशिम, वाठार

रेल मंत्रालय स्टेशन के पुनर्विकास/आधुनिककरण की योजना और कार्यान्वयन के दौरान धरोहर महत्व की वस्तुओं के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। संरचना/कलाकृति की स्थिति और संदर्भ के आधार पर स्थल विशिष्ट उपाय किए जाते हैं।

भारतीय रेल में स्टेशनों का विकास/उन्नयन निरन्तर और सतत प्रक्रिया है और इस संबंध में कार्यों को पारस्परिक प्राथमिकता और निधियों की उपलब्धता के अध्यधीन आवश्यकतानुसार किया जाता हैं। स्टेशनों के विकास/पुनर्विकास/उन्नयन/आधुनिकीकरण कार्यों को स्वीकृति देने और निष्पादन के समय निचली कोटि के स्टेशनों की तुलना में उच्च कोटि के स्टेशनों को प्राथमिकता दी जाती है।

स्टेशन पुनर्विकास परियोजना का चरणबद्ध कार्य कई कारकों पर निर्भर करता है जैसे कि आवश्यकता, मौजूदा अवसंरचना का स्तर, स्टेशन पर आने-जाने वालों की संख्या में बदलाव, आस-पास के क्षेत्रों का विकास और उनका स्टेशन के साथ संपर्क, पूरक परिवहन के साधनों में बदलाव, निधियों की उपलब्धता, आपसी प्राथमिकता आदि। यह

कई परिवर्तनीय कारकों पर निर्भर एक धीरे-धीरे विकसित होने वाली प्रक्रिया है और इस समय इसके लिए कोई समय सीमा बताई नहीं जा सकती।

अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत आने वाले स्टेशनों के विकास/उन्नयन के कार्य योजना शीर्ष-53 'ग्राहक सुविधाएँ' के अंतर्गत वित्तपोषित किए जाते हैं। योजना शीर्ष-53 के अंतर्गत आवंटन का विवरण क्षेत्रीय रेलवे-वार रखा जाता है और न कि स्टेशन-वार या राज्य-वार। मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र राज्य मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, पश्चिम मध्य रेलवे, पूर्व मध्य रेलवे, उत्तर मध्य रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अधिकार क्षेत्र में आते हैं। इन क्षेत्रों के लिए, योजना शीर्ष-53 के तहत वित्त वर्ष 2025-26 के लिए कुल 5800.68 करोड़ रुपए (संशोधित अनुमान) का आवंटन किया गया है।

स्टेशनों की तकनीकी-आर्थिक व्यवहार्यता और पारस्परिक प्राथमिकता के आधार पर रेलवे स्टेशनों पर स्वचालित सीढ़ियां और लिफ्ट प्रदान की जाती हैं। अब तक, 12 रेलवे स्टेशनों जैसे कि दादर, पुणे, ठाणे, कल्याण और रायगढ़ जिले के स्टेशन आदि पर 66 स्वचालित सीढ़ियां और 09 रेलवे स्टेशनों पर 25 लिफ्ट प्रदान की गई हैं।

इसके अलावा, रेलवे स्टेशनों का विकास/उन्नयन जटिल प्रकृति का होता है जिसमें यात्रियों और रेलगाड़ियों की संरक्षा शामिल होती है और इसके लिए दमकल क्लीयरेंस, धरोहर, पेड़ों की कटाई, विमानपत्तन क्लीयरेंस इत्यादि जैसी विभिन्न सांविधिक स्वीकृतियों की आवश्यकता होती है। इनकी प्रगति जनोपयोगी सेवाओं को स्थानांतरित करना (जिनमें जल/मलजल लाइन, ऑप्टिकल फाइबर केबल, गैस पाइप लाइन, पावर/सिगनल केबल इत्यादि शामिल हैं), अतिलंघन, यात्री संचलन को बाधित किए बिना

रेलगाड़ियों का परिचालन, उच्च वोल्टेज बिजली लाइनों के निकट सान्निध्य में किए जाने वाले कार्यों के कारण गति प्रतिबंध आदि जैसी ब्राउन फील्ड संबंधी चुनौतियों के कारण भी प्रभावित होती है और ये कारक कार्य के समापन समय को प्रभावित करते हैं। अत: इस चरण पर कोई समय-सीमा नहीं बताई जा सकती है।

******